

## वश्व खाद्य मूल्य सूचकांक: FAO

### प्रलिमिस के लयि:

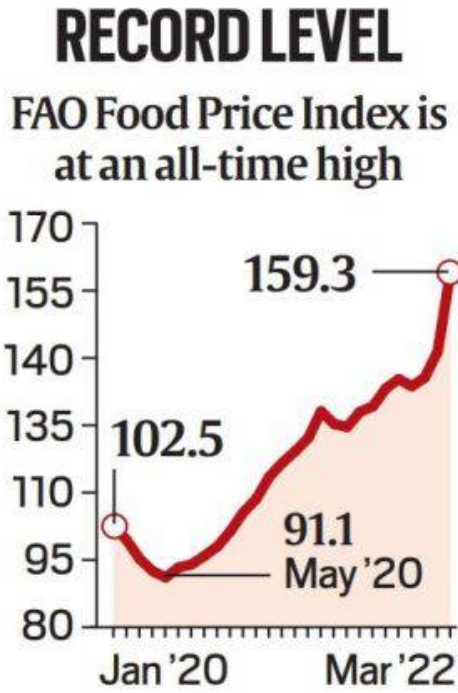
संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन और इसकी पहल, एफएओ खाद्य मूल्य सूचकांक ।

### मेन्स के लयि:

महत्त्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संस्थान, वैश्विकि खाद्य मूल्य वृद्धि के कारण ।

### चर्चा में क्यों?

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (FAO) के अनुसार, [वश्व खाद्य मूल्य सूचकांक](#) (World Food Price Index) मार्च में औसतन 159.3 अंक रहा, जसिने 11 साल पहले (फरवरी 2011) के 137.6 अंकों के पुराने रकिर्ड को तोड़ दिया है ।



### प्रमुख बढि

### वैश्विकि खाद्य मूल्य वृद्धि का कारण:

#### ■ अत्यधिक अस्थरिता:

- FAO सूचकांक में पछिले दो वर्षों में कोवडि-19 महामारी और अब रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण भारी अस्थरिता देखी गई है ।
- मई 2020 में सूचकांक 91.1 अंकों के साथ अपने चार वर्ष के नमिन स्तर पर पर आ गया था, जसिका कारण महामारी की वजह से देशों में लगने वाले लॉकडाउन के चलते उत्पन्न मांग थी ।

- लेकिन जैसे ही सरकारों द्वारा आर्थिक गतिविधियों और आवाजाही से प्रतिबंध हटाने की बात की गई तो पुनः मांग में वृद्धि देखी गई। आपूर्ति शृंखला में व्यवधान हर स्तर पर देखा गया जिसमें सामग्री की पैकेजिंग से लेकर शिपिंग कंटेनरों के लिये मजदूरों की कमी सामने आई।
- **आपूर्ति की कमी:**
  - काला सागर क्षेत्र में तनाव के कारण आपूर्ति में अत्यधिक कमी देखी गई है, जिससे जनवरी और मार्च 2021 के बीच सूचकांक लगभग 24 अंक या 17.5% बढ़ गया है।
    - मार्च 2021 में FAO के अनाज और वनस्पति तेल मूल्य सूचकांकों ने क्रमशः 170.1 अंक और 248.6 अंक की रिकॉर्ड बढ़त हासिल की।
- **अंतरराष्ट्रीय भुगतान प्रणाली से रूसी बैंकों का कटऑफ:**
  - **काला सागर** और आज़ोव सागर में बंदरगाह बंद होने के साथ-साथ रूसी बैंकों को अंतरराष्ट्रीय भुगतान प्रणाली से बाहर कर दिया गया है, जिसके परिणामस्वरूप इस प्रमुख कृषि-वस्तु आपूर्ति क्षेत्र में बढ़े पैमाने पर शिपिंग व्यवधान उत्पन्न हुए हैं।

## FAO का खाद्य मूल्य सूचकांक:

- इसे वर्ष 1996 में वैश्विक कृषि वस्तु बाज़ार के विकास की नगिरानी में मदद के लिये सार्वजनिक रूप से पेश किया गया था।
- FAO फूड प्राइस इंडेक्स (FFPI) खाद्य वस्तुओं की टोकरी के अंतरराष्ट्रीय मूल्यों में मासिक बदलाव का एक मापक है।
- यह अनाज, तलहन, डेयरी उत्पाद, मांस और चीनी की टोकरी के मूल्यों में हुए परिवर्तनों को मापता है।
- इसका आधार वर्ष 2014-16 है।

## खाद्य और कृषि संगठन:

- **परिचय:**
  - खाद्य और कृषि संगठन की स्थापना वर्ष 1945 में **संयुक्त राष्ट्र संघ** के तहत की गई थी, यह संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है।
  - प्रत्येक वर्ष विश्व में **16 अक्टूबर को विश्व खाद्य दिवस** मनाया जाता है। यह दिवस FAO की स्थापना की वर्षगांठ की याद में मनाया जाता है।
  - यह **संयुक्त राष्ट्र के खाद्य सहायता संगठनों में से एक है जो रोम (इटली)** में स्थित है। इसके अलावा **विश्व खाद्य कार्यक्रम** और **कृषि विकास के लिये अंतरराष्ट्रीय कोष (IFAD)** भी इसमें शामिल हैं।
- **FAO की पहलें:**
  - विश्व स्तरीय महत्त्वपूर्ण कृषि विरसित प्रणाली (GIAHS)।
  - विश्व में **मरुस्थलीय टडिडी** की स्थिति पर नज़र रखना।
  - FAO और WHO के खाद्य मानक कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के मामलों के संबंध में **कोडेक्स एलेमेंटर्सि आयोग (CAC)** उत्तरदायी निकाय है।
  - खाद्य और कृषि के लिये **प्लांट जेनेटिक रिसोर्स पर अंतरराष्ट्रीय संधि** को वर्ष 2001 में FAO के 31वें सत्र में अपनाया गया था।
- **फ्लैगशिप पब्लिकेशन (Flagship Publications):**
  - वैश्विक मत्स्य पालन और एकवाकलचर की स्थिति (SOFIA)।
  - विश्व के वनों की स्थिति (SOFO)।
  - **वैश्विक खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति (SOFI)**।
  - खाद्य और कृषि की स्थिति (SOFA)।
  - कृषि कोमोडिटी बाज़ार की स्थिति (SOCO)।

## स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस